निर्यात के लिए अमेरिका पर यूपी की निर्भरता कम करेगा मुक्त व्यापार समझौता

श्रमिक आधारित उद्योगों को मिलेगा समझौते का सर्वाधिक लाभ

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ: भारत और यूरोपियन संघ के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता निर्यात को लेकर अमेरिका पर उत्तर प्रदेश की निर्भरता को कम करेगा। इस समझौते से यूरोपीय संघ से जुड़े 27 देशों के बड़े बाजार तक उत्तर प्रदेश के उत्पादों की पहुंच आसान होगी। खास तौर पर चमड़ा, जूता व एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) का निर्यात बढ़ाने के लिए यह समझौता काफी कारगर सिद्ध होगा। इसके लागू होने के बाद यूरोपियन देशों से मंगवाए जाने वाले कच्चे माल पर टैक्स नहीं लगेगा, जिसके चलते संबंधित उत्पादों को तैयार करने की लागत में कमी आएगी और बाजार में कम कीमत पर उत्पादों को बेचा जा सकेगा।

उत्तर प्रदेश से वर्ष 2024-25 में 1.86 लाख करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात किया गया था। इसमें सबसे ज्यादा 19 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को किया गया था। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने के बाद यूरोपीय संघ के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते ने उत्तर प्रदेश के उत्पादों के लिए 27 देशों के बाजार तक पहुंच को और आसान बना दिया है। उत्तर प्रदेश से यूरोपीय संघ के देशों में वर्ष 2024-25 में 53,000 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात किया गया था। इसमें से 42,400 करोड़ रुपये का निर्यात जर्मनी, आस्ट्रिया, फ्रांस, स्पेन, इटली और नीदरलैंड को किया गया था, जबकि 10,600 करोड़ रुपये का निर्यात यूरोपीय संघ के अन्य 21 देशों में किया गया था। मुक्त व्यापार समझौते के बाद डेनमार्क, पोलैंड, बुल्गारिया, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, नार्वे, रोमानिया, पुर्तगाल, कजाकिस्तान, लिथुआनिया, तुर्की, अजरबैजान, फिनलैंड व स्वीडन सहित यूरोपियन संघ से जुड़े अन्य देशों का बड़ा बाजार उत्तर प्रदेश के लिए एक अवसर बनेगा। फुटवियर एवं चर्म उद्योग विकास परिषद के क्षेत्रीय अध्यक्ष पूरन डाबर के अनुसार इस समझौते से ओडीओपी, कालीन व चमड़ा सहित श्रमिक आधारित उद्योगों को काफी लाभ होगा।

27 देशों के बड़े बाजार तक उप्र के उत्पादों की पहुंच आसान होगी

उप्र से अमेरिका को किया जाता है सबसे ज्यादा निर्यात

चमड़ा व जूता उद्योग के लिए वरदान साबित होगा समझौता

काउंसिल फार लेदर एक्सपोर्ट के क्षेत्रीय अध्यक्ष असद कमल इराकी का कहना है कि मुक्त व्यापार समझौता चमड़ा व जूता निर्यात उद्योग के लिए वरदान साबित होगा। चमड़ा उद्योग में इस्तेमाल होने वाला केमिकल यूरोपीय देशों से आयात किया जाता है।

समझौते के बाद केमिकल आयात पर ड्यूटी नहीं लगेगी। इससे चमड़ा व जूता निर्माण की लागत कम होगी। यूरोपीय बाजार में उत्तर प्रदेश के जूता निर्यातक 15 से 20 डालर में जूतों को निर्यात करते हैं। इस समझौते से यूरोपीय देशों के व्यापारियों को भी लाभ होगा और वहां के जूता निर्माता निर्माण लागत कम होने के कारण अपने उत्पाद उत्तर प्रदेश से तैयार कराएंगे।

MAGZTER Clipped from Dainik Jagran Lucknow - February 01, 2026
Read it digitally on Magzter